# जोशीमठ में भू-अवतलन

//

# जोशीमठ में भू-अवतलन

*हालिया उपग्रह छवियों से यह ज्ञात हुआ है कि जोशीमठ में केवल 12 दिनों ( 27 दिसंबर, 2022 और 8 जनवरी, 2023 के बीच ) के दौरान 5.4 सेमी की तेजी से भू-धँसाव देखा गया है।*

## भू-अवतलन (Land Subsidence)

- अवतलन का तात्पर्य भूमिगत पदार्थों के संचलन के कारण भूमि के धँसने से है।
- कारण: ( मानव जनित + प्राकृतिक ) पानी/तेल/प्राकृतिक संसाधनों का अपनयन ( removal ), खनन गतिविधियाँ, भूकंप, मृदा अपरदन, मिट्टी का संघनन, सिंकहोल का निर्माण आदि।

*एम.सी. मिश्रा समिति की रिपोर्ट ( 1976 ) ने पहले से ही संवेदनशील इस क्षेत्र में अनियोजित विकास की ओर इशारा करते हुए जोशीमठ के बारे में सर्वप्रथम चेतावनी दी थी।*

## जोशीमठ

### के बारे में

- ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग ( NH-7 ) ( उत्तराखंड ) पर स्थित
- भूकंपीय क्षेत्र-V के अंतर्गत आता है

### धार्मिक महत्त्व

- बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिये प्रमुख पारगमन बिंदु ( transit point )
- आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित 4 प्रमुख मठों में से एक का स्थान

### सामरिक महत्त्व

- भारतीय सेना की सबसे महत्त्वपूर्ण छावनियों में से एक

### धँसाव के संभावित कारण

- जोशीमठ प्राचीन भूस्खलन सामग्री पर बना है न कि मुख्य चट्टान पर एक भौगोलिक भ्रंश का पुनः सक्रिय होना ( किन्हीं दो चट्टानों/शैलों के बीच उत्पन्न दरार या विभंग )
- अनियोजित निर्माण
- प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा
- जलविद्युत गतिविधियाँ

### विशेषज्ञों की राय:

- क्षेत्र में विकास एवं जलविद्युत परियोजनाओं को पूर्ण रूप से बंद किया जाए
- जल निकासी योजना का पुनर्विकास
- बेहतर समन्वय- सरकार-नागरिक निकाय - सीमा सड़क संगठन
- निवासियों का सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण
- मिट्टी की क्षमता को बनाए रखने में मदद के लिये पुनः वनीकरण

और पढ़ें...

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/land-subsidence-in-joshimath-1